THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHAL AM): (a) The required information is given below:—

(In million tonnes)

Year	Production (Estimated)	Demand as estimated by Working Group on Cement Industry for Seventh Five Year Plan
1988-89	43.50	46.00
1989-90	49.00	49.00

Year	Production (Estimated)	Demand as estimated by Working Group on Cement Industry for Seventh Five Year Plan
1988-89	43.50	46.00
1989-90	49.00	49.00

(b) and (c). In case of the actual demand falling short of the demand as estimated by the Working Group there may be a marginal surplus of cement by the end of the Seventh Plan Period.

(d) The export of cement has since been decanalised and the cement manufacturers are free to export cement to any country.

Frequent rises in the prices of light Commercial Vehicles

484. SHRI BAIKUNTHA NATO SAHU: SHRI JERLIE E. TARIANG:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether there have been frequent rises in the prices of Light Commercial Vehicles;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) whether any instructions have been issued to the manufacturers of Light Motor Vehicles to see that the prices are increased in such a way that the market may bear the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) and (b) In the recent past, the light commercial vehical manufacturers, particularly those with Japanese collaboration have had to increase the prices of their vehicles frequently due to the steep appreciation in the value of the yen, its effect on the duties and taxes to be paid by the manufacturers and the rising input costs.

(c) No, Sir.

मारुति कारों का उत्पादन और उनके मूल्यों में वृद्धि

485. **श्री मीर्जा इरशादबेग:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मारुति उद्योग लिमिटेड ने इस वर्ष तथा पिछले वर्ष कितनी कारों का उत्पादन किया, इन्हें उपभोक्ताओं को किस दाम पर बेचा गया, कारों के किन-किन माडलों पर कीमतों में वृद्धि की गयी और इस वृद्धि के कारण क्या हैं;

(ख) इस समय प्रत्येक राज्य में कितने बिक्री केन्द्र काम कर रहे हैं और क्या उपभोक्ताओं के लाभार्थ इन केन्द्रों में वृद्धि किये जाने की कोई योजना है और जिन राज्यों में ये केन्द्र खोले जाने का विचार है उनके नाम क्या हैं तथा वहां कितने-कितने अतिरिक्त केन्द्र खोले जाने की योजना है;

(ग) मारुति उद्योग लिमिटेड का वार्षिक मुनाफा कितना है; और

(घ) मारुति कारों के पुर्जे कब तक सम्पूर्ण रूप से स्वदेशी हो जायेंगे?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव): (क) 1987-88 तथा 1988-89 (20-2-89 तक) के दौरान मारुति उद्योग लिमिटेड की कारों का उत्पादन तथा उनकी कीमतें विवरण-I में दी गई हैं। मारुति कारों की कीमतों में वृद्धि अमरीकी डालर की तुलना में रुपये का मूल्य गिर जाने तथा कच्चे माल और खरीदे गये हिस्से पुर्जों की लागत में वृद्धि हो जाने के कारण हुई है।

(ख) मारुति, उद्योग लि० के वर्तमान डीलरों के 83 बिक्री केन्द्र हैं और उनका विचार निकट भविष्य में 24 अतिरिक्त बिक्री केन्द्र खोलने का है। विद्यमान तथा